



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
 Maa Bhagwati Services & Enterprises
 B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
 Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

अब एसआईटी की रिपोर्ट पर निर्भर करेगा मंत्री विजय शाह का राजनीतिक भविष्य, कैबिनेट बैठक में भी नहीं पहुंचे

भोपाल 20 मई (एजेंसी)। *कर्मल सोफिया कुरेशी को लेकर अनर्गल टिप्पणी करके घिरे मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह का राजनीतिक भविष्य अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। एसआईटी ने जांच प्रारंभ कर दी है। 28 मई तक टीम को जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को देनी है। एसआईटी हाई कोर्ट के आदेश पर कायम की गई एफआईआर को भी देखेगी कि उसमें कोई तथ्य छूटा तो नहीं है। घटना स्थल पर उपस्थित लोगों से पूछताछ करेगी।*



मामले की जांच के लिए सागर के पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में बनी एसआईटी यह पड़ताल करेगी। विजय शाह का जो वीडियो सामने आया है, वह वास्तविक है या नहीं, क्योंकि शाह यह कह चुके हैं कि वीडियो में छेड़छाड़ की गई है। एसआईटी की रिपोर्ट उनके विरुद्ध रही तो उनकी मुश्किलें बढ़नी तय हैं। गिरफ्तारी से

लेकर मंत्री पद जाने तक की नौबत आ सकती है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के चलते पार्टी ने अब इस मामले में चुपकी साध ली है। विजय शाह भी चुपचाप बैठ गए हैं। सुर्जों के अनुसार, उनके संबंध में कोई निर्णय लेकर पार्टी खुद उलझन में आने की जगह सुप्रीम कोर्ट के रुख की प्रतीक्षा के पक्ष में है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- कैबिनेट में नहीं आना व्यक्तिगत कारण - इंदौर में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में शामिल न होने पर मंत्री विजय शाह का पक्ष तो सामने नहीं आ पाया लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने इस बारे में प्रतिक्रिया पढ़ने पर भोपाल में पत्रकारों से कहा कि कैबिनेट में नहीं पहुंचना व्यक्तिगत कारण होता है। नहीं तो ऐसा नहीं होता कि कोई कैबिनेट की बैठक में न आए। पहले भी ऐसा हो चुका है, कोई किसी कारण से कैबिनेट बैठक में नहीं आया। विजय शाह का भी कोई कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है। एसआईटी बन गई है, जो एफआईआर की जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट न्यायालय को प्रस्तुत

की जाएगी। इस पर न्यायालय का जो भी निर्णय आएगा, उसका सरकार पालन करेगी। **जिन अफसरों ने विजय शाह के अधीन काम किया वही जांच करेंगे -** वहीं, मंत्री विजय शाह के त्यागपत्र की लगातार मांग कर रही कांग्रेस की ओर से मंगलवार को जांच के लिए बनी एसआईटी पर भी प्रश्न खड़े किए गए। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि एसआईटी में शामिल अधिकारी प्रमोद वर्मा वर्ष 2010 में एसपी खरगोन थे, तब विजय शाह जिले के प्रभारी मंत्री थे। इसी तरह दूसरे सदस्य कल्याण चक्रवर्ती वर्ष 2018 में एसपी खरगोन थे, तब शाह वन मंत्री थे। सिंघार ने कहा कि एसआईटी की निष्पक्षता दिखावा रह गई है।

प्रदेश में मेडिकल स्टूडेंट्स की कॉपी घर से नहीं जांच पाएंगे मूल्यांकनकर्ता, कॉलेजों में बनेंगे केंद्र

भोपाल 20 मई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है।



अब विद्यार्थियों की कॉपियों का मूल्यांकन मूल्यांकनकर्ताओं के घर पर नहीं, बल्कि प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बनाए जाने वाले विशेष मूल्यांकन केंद्रों में होगा। कॉपियों को स्कैन कर इन केंद्रों पर ऑनलाइन भेजा जाएगा, जहां प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ता उनकी जांच करेंगे। इस कदम से मूल्यांकन में गड़बड़ी और देरी की शिकायतों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाने विशेष शिविर मनासा में आज

नीमच 20 मई (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन वर्ष में दो बार किया जा रहा है। प्रथम चरण के सफल आयोजन के बाद द्वितीय चरण में शिविर का आयोजन जारी है। इसी कडी में आज 21 मई 2025 को प्रातः 10 बजे सिविल अस्पताल मनासा में दिव्यांगजनों की सहायता हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिव्यांगजनों की दिव्यांगता की जांच की जाकर उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। इस शिविर में दिव्यांगजनों की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का निराकरण भी किया जावेगा। शिविर में रेल्वे में छूट हेतु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भी पंजीयन किया जावेगा। डॉ.प्रसाद ने बताया, कि उक्त शिविर में रतलाम एवं मंदसौर के चिकित्सक भी उपस्थित रहेंगे और सभी प्रकार की दिव्यांगता से संबंधित प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे।

अवैध रेत एवं पत्थर का परिवहन करते 6 ट्रैक्टर जप्त

नीमच 20 मई (निप्र)। खनिज विभाग नीमच द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए मंगलवार को पत्थर एवं रेत खनिज के अवैध परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर खनिज विभाग की टीम मनासा पहुंची। रामपुरा रोड़ मनासा पर विभाग द्वारा दो ट्रैक्टर रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर, मनासा थाने पर अभिरक्षा में रखे गये। इसके पश्चात ग्राम

सुवाखेड़ा में पत्थर (खण्डा एवं फर्शी पत्थर) का अवैध परिवहन करते हुए मौके पर छह ट्रैक्टर जप्त किये गये, जिन्हे नयाँगाव पुलिस चौकी पर सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। जिला खनिज अधिकारी आरिफ खान ने बताया, कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर



निरन्तर कार्यवाही जारी रहेगी। इस कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी गजेन्द्र सिंह डावर, खनि सर्वेयर सुनील जाधव एवं नगर सैनिक भी शामिल थे।

शहर का विकास निरंतर जारी रहेगा - श्रीमती चोपड़ा

वार्ड क्र. 22 में अतिथिगणों ने किया डामरीकरण रोड़ का भूमि पूजन

नीमच 20 मई (निप्र)। भाजपा का उद्देश्य विकास कार्यों के माध्यम से जनता की समस्याओं का निदान करना है और हम इसी उद्देश्य से शहर के विकास की इबादत लिख रहे हैं, लेकिन कुछ विकास विरोधीयों को शहर का विकास रास नहीं आ रहा है ओर वे इसमें अवरोध उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं किंतु हम शहर का विकास निरंतर जारी रखेंगे और विकास में बाधा उत्पन्न करने वालों के मसूबे सफल नहीं होने देंगे । यह बात नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने वार्ड क्र. 22 स्थित भोलाराम केपांडे में अन्य अतिथिगणों व वार्ड वासियों की उपस्थिति में 9 लाख 9 हजार की लागत से बनने वाली डामरीकरण



सड़क का भूमि पूजन करते हुए कही! इस अवसर पर अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह राणावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील कटारिया, नपा सभापति नीरज अहीर, वार्ड पार्षद अरुण प्रजापति, वार्ड के वरिष्ठ शिव महेश्वरी, अवंतीका प्रसाद

श्रीमती चोपड़ा ने नीमच सिटी, बघाना व नीमच कैंट सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में अब तक हुए करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि विधायक दिलीप सिंह पौरहार के मार्गदर्शन व पार्षदों के सहयोग से शहर में बगैर भेदभाव के विकास कार्य किए जा रहे हैं और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह राणावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील कटारिया, नपा सभापति नीरज अहीर, वरिष्ठ भाजपा नेता शिव माहेश्वरी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 22 के कुम्हारा गली सड़क के कायाकल्प की भी मांग पार्षद द्वारा की गई,इस पर मांग से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती

शर्मा, प्रेम कोठारी, सत्यनारायण तोतला, रामू शर्मा, श्याम मंदिर के पुजारी गोपाल कृष्ण शर्मा, मंडल महामंत्री विक्रमी छाबड़ा, पार्षद श्रीमती शांदा पाटनी, आलोक सोनी, रामचंद्र धनगर, दुर्गा शंकर आदि भी मंचासीन थे । इस अवसर पर नपा अध्यक्ष

चोपड़ा ने 27 मई को सायं 4.30 बजे भूमि पूजन करने की घोषणा की और ठेकेदार को दोनों कार्य गुणवत्ता पूर्ण करने और बारिश पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए! कार्यक्रम का संचालन राजेश पप्पू मंगल ने किया एवं आभार पार्षद अरुण प्रजापति ने व्यक्त किया । कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चोपड़ा, भूषण पटवा, अमन दीवान, पूर्व पार्षद सीताराम ग्वाला, अनिल सुराह, जयप्रकाश दीवान, अनिल भट्ट, हीरालाल सैनी, महेश तोतला पंकज जैन, सलीम भाई, काबिल भाई ,श्रीमती वंदना महेश्वरी, मीनू शर्मा, संगीता सैनी, पुष्पा सैनी, वैशाली प्रजापति, कविता प्रजापति, अशोक सैनी सहित अनेक वार्डवासी उपस्थित थे ।

madan mali
 9669999779

rajmal gayri
 9926640630



GSTIN-23AHDPL6502G1ZS
 MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPGNS69G1ZS
 MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली
 9669999779

राजमल गायरी
 9926640630



श्रीदेव
वेल्डिंग वर्क्स

रश्तेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

गोमाबाई नेत्रालय में प्रोस्थेटिक आई प्रत्यारोपण का सफल ऑपरेशन

नीमच (नप्र) । राजस्थान के टोंक जिला क्षेत्र के ग्राम देवली निवासी बीस वर्षीय युवक कान्हा राम बैरवा की दस वर्ष पूर्व चोट से क्षतिग्रस्त आंख का प्रदेश के अग्रणी नेत्र चिकित्सालय गोमाबाई नेत्रालय के प्रोस्थेटिक विशेषज्ञ चिकित्सक ने सफल ऑपरेशन कर प्रोस्थेटिक आंख प्रत्यारोपित कर रोगी को असहजता से मुक्ति दिलाई है ।

आँख में चोट लगने के कारण एक आँख की दृष्टि नष्ट हो गई थी । असावधानी के चलते प्रभावित आंख की पलके भी चिपक गई जिससे चेहरे का स्वरूप भी बिगड़ा और युवक इस स्थिति को लेकर सोरो से बहुत असहजता महसूस कर रहा था । अनेक नेत्र चिकित्सालयों में परीक्षण किया गया लेकिन संतोषजनक निदान नहीं हो पाया । कुछ समय पूर्व गोमाबाई नेत्रालय नीमच के बारे में जानकारी मिलने पर उनके परिजन नेत्रालय लेकर

आये थे । नेत्रालय से सम्बद्ध प्रोस्थेटिक विशेषज्ञ चिकित्सक ने उनके नेत्र का सूक्ष्म परीक्षण कर कहा कि क्षतिग्रस्त आंख की रोशनी लौटना तो संभव नहीं है लेकिन प्रोस्थेटिक आई प्रत्यारोपित कर स्वरूप स्वाभाविक किया जा सकता है जिससे हीनभावना से मुक्ति मिलेगी । परिवार और रोगी की सहमति के बाद पहले युवक की चिपकी हुई पलकों को अलग कर उपयुक्त जगह बनाई गई और रोगी की क्षतिग्रस्त आँख की जगह

प्रोस्थेटिक आई (नकली आंख) प्रत्यारोपित की गई है । यह प्रत्यारोपित आँख बिल्कुल प्राकृतिक आँख की तरह ही दिखती एवं मूवमेंट करती है । सालों से परेशानी, असहजता की पीड़ा झेल रहे कान्हा राम अब पूरी तरह सहज एवं सामान्य हैं और मानसिक तकलीफ से मुक्ति पाकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की है । कान्हा राम का कहना है कृत्रिम नेत्र लगने के बाद मुझे ऐसा लगा मानो मैंने अपनी खोई हुई पहचान फिर से पा ली हो।

अब मैं लोगों से बिना झिझक के खुलकर बात कर सकता हूँ। ऑपरेशन के बाद आंख स्वाभाविक रूप से असली जैसी ही लग रही है एवं निराशा से मुक्ति मिली है ।

स्वस्थ हुए कान्हा राम का कहना है कि गोमाबाई नेत्रालय में उपचार और रोगी की देखभाल के बहुत अच्छे प्रबन्ध हैं और उच्च स्तरीय सेवाओं के लिहाज से उपचार भी बहुत ही सस्ता है । उन्होंने नेत्रालय प्रबन्ध के प्रति आभार जताया है ।

12th
 के बाद

सफर जोश का
मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इक्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये



सोनी कोचिंग क्लासेस
 ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव ।
 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
 धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
 भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय
 मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में
आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रुपए
 प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार

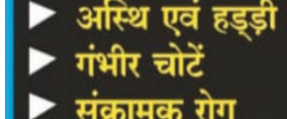


आयुष्मान भारत
 अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं
सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स
का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध




ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
 ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख्त जरूरत!



किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में जहरीली शराब से नरसंहार कब तक?- मृतकों के घर के चूल्हे उजड़ बन रहे मातमगाह-कब जागेगी सरकारें?भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर- 2 की सख्त जरूरत ! नकली जहरीली शराब से मृतक के परिवारों के लिए मुआवजे का ऐलान,आरोपियों की गिरफ्तारी, जमानत निचली से ऊपरी कोर्ट तक की प्रक्रिया-पीड़ित परिवारों की जिंदगी समाप्त?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश के शौकीनों के लिए शराब को एक अमृत रस के रूप में टॅनिक की उपमा दी जाती है। खुशी के अनेकों मौकों पर शराब दावत को देखा जा सकता है। मैं ग्राउंड रिपोर्टिंग में देखा हूँ कि, नाम मात्र की परमिशन जरूर होती है परंतु नियमों विनियमयों कानूनों की धज्जियाँ जवाबदेही रखने वालों के नाक के नीचे उड़ती है, बंद लिफाफा होटों पर टेप और आखों पर पट्टी का काम करता है, यह तो हाई प्रोफाइल समिति का उदाहरण है,ठीक वैसे हीर्बॉटम स्तर पर दारू भंडियों, मोहल्ला चौकों,में नंबर दो की तथाकथित नकली एथॉनल का उपयोग कर बनाई गई शराब का सेवन मध्यम वर्ग, गरीब वर्ग, मजदूर वर्ग करते हैं, यहां भी इन्हीं जवाबदेहों के होटों पर लिफाफे की टेप और आँखों पर पट्टी लगा दी जाती है, जिनके परिणाम स्वरूप पंजाब में बटाला तरनतारन संगरूर जैसे कांड तथा भारत के अनेकों राज्यों में अनेकों केस होते रहते हैं जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहेहैं,क्योंकि दिनांक 13 मई 2025 को पंजाब अमृतसर के पास मजीठा गांव में जहरीली शराब पीने से देर रात्रि 12 तक मेरी जानकारी के अनुसार 21 लोगों की मृत्यु की खबर मीडिया मेंआ चुकी थी। सीएम साहब ने मृतकों के परिवार वालों को 10 लाख रुपयों के मुआवजे की घोषणा की है,व घटना से जुड़े 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) व 105 (गैरइरादतन हत्या) के साथ आबकारी अधिनियम,अनुसूचित जाति जनजाति (अत्याचार निवारण)अधिनियम संबंधी धाराएं लगाई गई हैं। परंतु मैं एक अधिवक्ता होने के नाते देखता रहा हूँ कि नकली जहरीली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवजे की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी, जमानत, निचली अदालत से ऊपरी कोर्ट तक प्रक्रिया चलती है, तबतक पीड़ित परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती होगी? चूँकि भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख्त जरूरत है, तथा सभी राज्यों में एक कॉमन बात कि,नकली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवजे की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी,जमानत बॉटम से ऊपरी कोर्ट तक वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया चलती है तब तक पीड़ित परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती है? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में जहरीली शराब का नरसंहार आखिर कब तक? मृतकों के घर के चूल्हे उजड़ बन रहे मातमगाह, कब जागेगी सरकार? बता दें इस आर्टिकल में दी गई जानकारी की सटीकता का प्रमाण नहीं है, क्योंकि यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 13 मई 2025 को जहरीली



शराब सेवन कांड की करें तो, अमृतसर:पंजाब के अमृतसर जिले के मजीठा ब्लॉक में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है, जिससे इलाके में मातम छा गया है, यह घटना ब्लॉक के भंगाली कलां,थारीवाल संघा और मरारी कलां जैसे गांवों में हुई। जिला प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले में दो एफआइआर दर्ज की गई हैं और 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, उन चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है जो सप्लायरों से शराब खरीदकर गांवों में बेच रहे थे, इस घटना को लेकर पंजाब पुलिस के महानिदेशक(डीजीपी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि,दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नकली शराब के कारण हुई दुखद मौतों के बाद पंजाब पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की, जिनमें मुख्य सरगना और कई स्थानीय विक्रेता शामिल हैं, ऑनलाइन खरीदे गए मेथनॉल का इस्तेमाल नकली शराब बनाने में किया गया था। पूरे मामले की जांच चल रही है, ताकि कार्य प्रणाली का पता लगाया जाए और सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए।

साथियों बात अगर हम भारत में जहरीली शराब के कहर: की करें तो,2014 से 2022 तक किस साल कितनी मौतें हुईं, (1) 2014: अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। (2) 2015: 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई. महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। (3) 2016: 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं. मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। (4) 2017: 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं. कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। (5) 2018: 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई,मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज्यादा

मामले सामने आए। (6) 2019: 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं. मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) में स्थिति चिंताजनक बनी रही। (7) 2020: 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई. मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। (8) 2021: 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं। उत्तर प्रदेश (137) और पंजाब (127) में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए। (9) 2022: 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा।

साथियों बात अगर हम मजीठा कांड में लगाई गई भारतीय न्याय संहिता की धाराओं को समझने की करें तो,भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में धारा 103 हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है, जबकि धारा 105 गैर- इरादतन हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है। धारा 103 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 105 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या की श्रेणी में न आने वाला गैर-इरादतन हत्या करता है, तो उसे आजीवन कारावास या 5 से 10 वर्ष का कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 103: हत्या के लिए सजा (1) यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी और वह जुर्माने से भी दंडनीय होगा। (2) यदि पांच या अधिक व्यक्तियों का समूह नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, धर्मिकता विश्वास या किसी अन्य समान आधार पर हत्या करता है, तो ऐसे समूह के प्रत्येक सदस्यको मृत्युदंड या आजीवनकारावास की सजा दी जाएगी और जुर्माना भी देना होगा।

साथियों बात अगर हम अवैध शराब बनने को समझने की करें तो, कैसे बनती है अवैध शराब ?कच्ची शराब बनाने के लिए मुख्य रूप से गुड़, पानी और यूरिया का इस्तेमाल

किया जाता है, इसमें कई खतरनाक केमिकल भी मिलाए जाते हैं, गुड़ को सड़ाने के लिए ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जाता है, अधिक नशा लाने के लिए नौसादर और यूरिया भी मिलाया जाता है, ये सभी चीजें मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। यूरिया,ऑक्सी टोसिन, गुड़ और पानी को मिलाकर जब फर्मेंटेशन किया जाता है तो इथाइल अल्कोहल की जगह मिथाइल अल्कोहल बन जाता है,मिथाइल अल्कोहल बनने का एक कारण शराब बनाने की प्रक्रिया के दौरान तापमान का सही ध्यान न रखना भी है, इसी मिथाइल अल्कोहल के कारण शराब जहरीली हो जाती है,इसे पीने से होती है मौत-विशेषज्ञों के अनुसार, मिथाइल अल्कोहल शरीर में जाकर फार्मैलिडहाइड (फॉर्मिक एसिड) बनाता है, यह एक ऐसा जहर है जो आंखों की रोशनी छीन सकता है या मौत का कारण बन सकता है, यह शराब पीने वाले के दिमाग के लिए भी बेहद हानिकारक है, यदि शराब में मिथाइल अल्कोहल की मात्रा 90 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तो वह जहरीली बन जाता है, इतनी मात्रा में मिथाइल अल्कोहल का सेवन नर्वस ब्रेकडाउन का कारण बनता है। 13 मई को बटाला में हुए शराब कांड में पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि नकली शराब बनाने के लिए इस्तेमाल 'मेथेनॉल' थोक में ऑनलाइन खरीदा गया था। मेथेनॉल' एक हल्का, रंगहीन कार्बनिक रासायनिक यौगिक है, जिसे अकसर अवैध रूप से मादक पेय पदार्थों में 'इथेनॉल' के सस्ते विकल्प के रूप में ही मिलाया जाता है।

साथियों बात अगर हम शराब पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बारे में समझने की करें तो,शराब पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बारे में क्या? क्या यह सैद्धांतिक रूप से संभव है? यदि ऐसा है, तो केद्र सरकार शराबबंदी कैसे लागू कर सकती है? खैर, यह देखते हुए कि संविधान संघ को शराब को विनियमित करने की अनुमति नहीं देता है, (केंद्र) सरकार को दो-चरणीय प्रक्रिया का पालन करने की आवश्यकता होगी। तत्काल कदम संविधान में संशोधन करना और शराब को राज्य सूची से संघ सूची में स्थानांतरित करना होगा। इस तरह के संशोधन के लिए प्रत्येक सदन में एक विधेयक पारित करने की आवश्यकता होगी, (कुल 29 राज्यों से अधिक) सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया जाएगा, जिसमें कम से कम 2/3 सदस्य उपस्थित और मतदान करेंगे। यह देखते हुए कि यह संशोधन राज्य को शक्तियों को प्रभावित करता है, इस विधेयक का कम से कम 15 राज्यों (कुल 29 राज्यों से से आधे से कम नहीं) की राज्य विधानसभाओं द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए। क्या यह आज संभव है? इसका जवाब साफ है हां। भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत है और 15 राज्यों में उसकी सरकार है। राज्यसभा में अभी उसके पास जरूरी संख्या नहीं है, लेकिन शराबबंदी जैसे मुद्दे पर समर्थकों का एक समूह तैयार हो सकता है।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

अक्सर तनाव रहता है। हालाँकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तर्फ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतुकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगलता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खोज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दायम दर्जें एवं चट्टिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से

भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएँ हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनाम के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है। चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए

विवादस्यद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अवसार्इ चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शांतिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तर्फ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आड़े हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है। भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है।

संपादकीय

तुर्किये का सपना

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के चलते अब तुर्किये और अजरबैजान के साथ हमारे संबंधों में तनाव और उदहारव आने की आशंका बढ़ गई है। इन दोनों देशों ने हाल के संघर्ष में पाकिस्तान का समर्थन किया है और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी टिकानों पर भारतीय सैनिकों के हमले की निंदा की थी। पाकिस्तान ने भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों पर जिस झेन से हमला करने का प्रयास किया था वे तुर्किये के थे। इसके चलते भारत के व्यापारिक संगठनों, ट्रेवल एजेंसियों और शिक्षण संस्थान (जेएनयू) ने इन दोनों देशों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। भारतीयों के गुस्से को देखकर भारत इन दोनों देशों से व्यापारिक संबंध खत्म भी कर सकता है। कश्मीर मुद्दे पर अलग-अलग पट्टे पाकिस्तान को तुर्की और अजरबैजान के रूप में ढाँढ़स बढ़ाने वाला मित्र देश मिल गया है। 2020 में तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब इंदोगन पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। पहलगाम हमले के कुछ दिन पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष ने इसी तरह का विचार व्यक्त किया था। इंदोगन ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के फैसले को भारत का एकतरफा कदम बताया था। आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने कश्मीर की तुलना प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान गैलीपोली में हुए संघर्ष से की थी। इस युद्ध में तुर्की के समर्थन में भारतीय उपमहाद्वीप में खिलाफत आंदोलन चल रहा था। कांग्रेस पार्टी इसके साथ जुड़ गई थी। इंदोगन ने इसकी चर्चा करते हुए भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों द्वारा तुर्की को दिए गए समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया था। प्रकारांतर से उन्होंने पाकिस्तान को भरोसा दिलाया था कि भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों ने जिस तरीके से खिलाफत आंदोलन के जरिए तुर्की के समर्थन दिया था वैसा ही समर्थन तुर्किये भी कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को देगा वास्तव में इंदोगन पिछले कुछ वर्षों के दौरान दुनिया के विभिन्न देशों में मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज बुलंद करते रहते हैं। वह तुर्किये को इस्लामिक दुनिया का नेता बनने की फिराक में हैं। लेकिन उन्हें केवल पाकिस्तान और मलेशिया का साथ मिला है। इंदोगन की समस्या यह है कि एक ओर वह देश में इस्लामीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहते हैं और दूसरी ओर यूरोपीय समुदाय का हिस्सा भी बनना चाहते हैं।

चिंतन-मनन

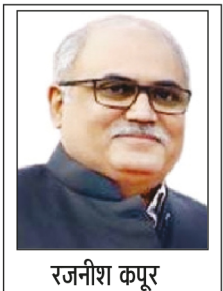
आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूँ। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर सेठ बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कर्मंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कर्मंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कर्मंडल में पहले ही कूड़े-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूँ। कर्मंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो एकाग्रता के योग्य बन पाओगे। यदि मन-परितक में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुधात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।



ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर



रजनीश कपूर

जो विद्यालय ज्ञान प्राप्त करने का केंद्र होते थे आज व्यापारिक दुकान बन कर रह गए हैं। 2025 में, दिल्ली के कई प्रमुख प्राइवेट स्कूलों ने बिना उचित अनुमति के फीस में भारी वृद्धि की, जिसके परिणामस्वरूप अभिभावकों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। एक सर्वेक्षण के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में भारत भर में 44प्र. अभिभावकों ने स्कूल फीस में 50 से 80प्र. तक की वृद्धि की शिकायत की, जबकि 8प्र. ने इसे 80प्र. से अधिक बताया। दिल्ली में कुछ स्कूलों ने 2020 से 2025 तक 7प्र. से 45प्र. तक की वृद्धि की, जिससे वार्षिक फीस 1.4 लाख रुपये तक पहुंच गई। दिल्ली की निजी स्कूलों में फीस वृद्धि की समस्या ने अभिभावकों, छात्रों और नीति निर्मातोंओं के बीच चिंता का विषय बन गया है। स्कूलों का यह रवैया न केवल आर्थिक बोझ को बढ़ाता है बल्कि शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाता है। यह वृद्धि विशेष रूप से उन स्कूलों में देखी गई जो



जमीन पर हों, फीस वृद्धि से पहले डीओई से अनुमति लें। निवर्तित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग अनिवार्यहोनी चाहिए। फीस निर्धारण समितियों में अभिभावकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र जैसे राज्यों के मॉडल, जहां दो साल में 15प्र. से अधिक वृद्धि के लिए तीन-चौथाई अभिभावकों की सहमति आवश्यक है, को लागू किया जा सकता है। फीस वृद्धि को राजनीतिक मुद्दा बनाने के बजाय, सभी दलों को एकजुट होकर दीर्घकालिक समाधान खोजने चाहिए। अन्य राज्यों, जैसे हरियाणा और उत्तर प्रदेश, में लागू उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित समायोजन की दिल्ली में भी लागू किया जा सकता है। दिल्ली के निजी स्कूलों में फीस वृद्धि की समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। यह शिक्षा के मौलिक अधिकार को कमजोर करती है और मध्यम वर्ग के परिवारों पर अनुचित बोझ डालती है।



एकता कपूर के वीडियो ने फैस में मचाई हलचल

हाल ही में टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अलग-अलग मूड्स में नजर आ रही हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में वयुकि सास भी कभी बहू थी का आइकॉनिक टयून सुनाई दे रहा था, जिससे एकता ने शो से जुड़ी कुछ नई बातें शेयर करने का हिट दिया। उनके इस वीडियो ने फैस में भारी एक्साइटमेंट पैदा कर दिया है, और लोग इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि शायद एकता कपूर इस शो को फिर से लेकर कुछ नया करने वाली हैं। इसके अलावा, एकता कपूर को हाल ही में 51वें इंटरनेशनल एम्मी अवार्ड्स में इंटरनेशनल एम्मी डायरेक्टरेट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, उन्हें भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म श्री से भी नवाजा गया है। एकता कपूर की यह सफलता साबित करती है कि उनका प्रभाव हर प्लेटफॉर्म पर बना हुआ है। हाल ही में एकता ने मुंबई में वेल्स समिट 2025 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म टूरिज्म पॉलिसी 2025 लॉन्च की। इस समिट में उन्होंने मध्य प्रदेश की फिल्म इंडस्ट्री की संभावनाओं और वहां की खूबसूरत लोकेशंस को बढ़ावा देने की बात की। साथ ही, उन्होंने इस पहल के लिए वित्तीय मदद की जरूरत का भी जिक्र किया। एकता कपूर ने इस पहल के जरिए अपनी क्रिएटिविटी और दूरदृष्टि का एक और बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। बता दें कि एकता कपूर हमेशा अपनी नई और क्रिएटिव अप्रोच से चर्चा में रहती हैं। उन्होंने न सिर्फ टीवी शोज में बदलाव किए हैं, बल्कि ओटीटी और फिल्म्स में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाई है। उनका सबसे प्रसिद्ध और यादगार शो वयुकि सास भी कभी बहू थी आज भी भारतीय टेलीविजन का लीजेंडरी शो माना जाता है। इस शो के जरिए एकता कपूर ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी, और दशकों बाद भी यह शो भारतीय टेलीविजन की यादों में बसा हुआ है।

‘हाउसफुल 5’ के नए गाने का जादू, ‘दिल ए नादान’ में मस्ती और तुमकों का संगम

फिल्म ‘हाउसफुल 5’ का एक और गाना ‘दिल ए नादान’ रिलीज हो चुका है। गाने में स्टार्स के शानदार मूल्स ने फैस का दिल जीत लिया है। गाने को नरगिस फाकरी, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख पर फिल्माया गया है। गाना पार्टी थीम पर आधारित है, इसमें डांस के साथ-साथ मस्ती का भी तड़का है। यह गाना टी-सीरीज के यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इस गाने को मधुवंती बागची और सुमंतो मुखर्जी ने मिलकर गाया है। वहीं बोल कुमार ने लिखे हैं। इसके अलावा, कोरियोग्राफ आदित्य शंख ने किया है। गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। यह गाना फिल्म का दूसरा म्यूजिक ट्रैक है, इससे पहले फिल्म का ‘लाल परी’ गाना रिलीज किया गया था। इस गाने को सिमर कौर और यो यो हनी सिंह ने गाया, जबकि कोरियोग्राफ रमो डिस्जा ने किया। गाने में हनी सिंह और अक्षय कुमार की जोड़ी फिर से साथ देखने को मिली। इससे पहले ये दोनों कई हिट गानों में काम कर चुके हैं, जिसमें ‘पार्टी ऑल नाइट’, ‘कुड़ी चमकीली’, ‘बॉस’ जैसे गाने शामिल हैं। गाने में सभी कलाकार कूज पर नाचते-उछलते देखे जा सकते हैं। इसमें पूरा स्टारकास्ट नजर आ रहा है। संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और अक्षय कुमार भी एक फ्रेम में देखे जा सकते हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर लीड रोल में नजर आएंगे। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख शुरू से ही इस फेचाइजी का हिस्सा रहे हैं। बाकी कलाकार बाद में जुड़ते गए। ‘हाउसफुल’ फेचाइजी की पहली कॉमेडी फिल्म साल 2010 में आई थी। दो साल बाद ‘हाउसफुल 2’ आई। इन दोनों फिल्मों को साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। 2016 में ‘हाउसफुल 3’ रिलीज हुई, जिसे साजिद और फरहाद ने निर्देशित किया। 2019 में ‘हाउसफुल 4’ पद पर रिलीज हुई। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया। अब ‘हाउसफुल 5’ का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।



द रॉयल्स में निभाए किरदार को लेकर नोरा फतेही की हो रही तारीफ

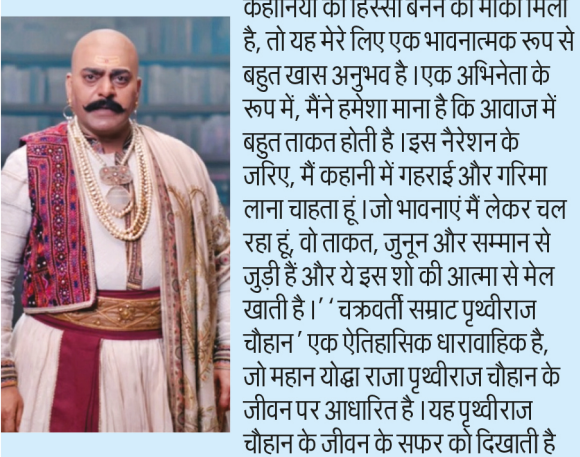


बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही द्वारा ओटीटी सीरीज द रॉयल्स में निभाए गए किरदार को लेकर उनकी तारीफ हो रही है। ओटीटी सीरीज में नोरा ने आयशा ढोडी का किरदार निभाया है, अपने प्रदर्शन के लिए मिल रही तारीफों का भरपूर आनंद ले रही हैं। इस सराहना के बीच, नोरा ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास पद के पीछे की झलक साझा की। इन बीटीएस तस्वीरों में नोरा गुलाबी रंग की भव्य साड़ी में नजर आ रही हैं, जो शाही गरिमा और शांत शक्ति का प्रतीक बनती हैं। उनके सॉफ्ट-नैलेम मेकअप और बारीकी से चुनी गई ज्वेलरी ने फैशन प्रेमियों और प्रशंसकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इन तस्वीरों के साथ नोरा ने दर्शकों को उनके अभिनय और किरदार को इतना अपनापन देने के लिए धन्यवाद कहा। नोरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ‘द बैडी, प्रिंसेस आयेशाज आइकॉनिक और खतरनाक इस मौके पर मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूँ, जिन्होंने द रॉयल्स में आयशा के रूप में मेरे प्रदर्शन को इतना प्यार और सराहना दी-

यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।’ हालांकि नोरा की स्टार्डालफ लाजवाब थी, असली ध्यान उनके ऑन-स्क्रीन अभिनय पर था। आयशा ढोडी के रूप में नोरा ने बेहद नियंत्रित और प्रभावशाली भावनाओं के साथ अभिनय किया। उनके हाव-भाव, बाँड़ी लैंग्वेज और स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें सीरीज की सबसे दमदार झलकियों में से एक बना दिया। फैन-फेवरिट म्यूजिकल सीक्वेंस ‘अदाएं तेरी’ को महज 45 मिनट में शूट किया गया, जिसमें नोरा और ईशान खड्ग के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाया गया, जिसे दर्शक प्योर स्क्रीन मैजिक मान रहे हैं। नोरा इस समय एक बड़ी ग्लोबल स्टार पार के रूप में धूम मचा रही हैं। उनका हिट सिंगल स्नेक, जो जेसन डेरूलो के साथ है, 130 मिलियन व्यूज पार कर चुका है। अभिनय के मोर्चे पर, नोरा ने हाल ही में बी हैप्पी में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा प्राप्त की और अब वह कच्चा 4 में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं।

आशुतोष राणा बोले-‘पृथ्वीराज चौहान’ में मेरी भूमिका मेरे लिए बहुत खास है

दिग्गज अभिनेता आशुतोष राणा ने ऐतिहासिक महाकाव्य ‘चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान’ का हिस्सा बनने पर गर्व जताया। दरअसल, राणा पृथ्वीराज चौहान के भरोसेमंद दोस्त चंद बरदाई के किरदार को अपनी आवाज दे रहे हैं। वह इस महाकाव्य गाथा के जरिए दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। शो का हिस्सा बनने पर अपने विचार साझा करते हुए, आशुतोष राणा ने कहा, ‘मैं बचपन में पृथ्वीराज चौहान की कहानियां सुनता था, जो मेरे दिल में गहराई तक बस गईं। अब जब उन्हें इन्हीं



कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला है, तो यह मेरे लिए एक भावनात्मक रूप से बहुत खास अनुभव है। एक अभिनेता के रूप में, मैंने हमेशा माना है कि आवाज में बहुत ताकत होती है। इस नैरेशन के जरिए, मैं कहानी में गहराई और गरिमा लाना चाहता हूँ। जो भावनाएं मैं लेकर चल रहा हूँ, वो ताकत, जुनून और सम्मान से जुड़ी हैं और ये इस शो की आत्मा से मेल खाती है।’ चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान’ एक ऐतिहासिक धारावाहिक है, जो महान योद्धा राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। यह पृथ्वीराज चौहान के जीवन के सफर को दिखाती है कि कैसे एक मासूम, युवा राजकुमार धीरे-धीरे एक महान और सम्मानित सम्राट बनता है। कहानी दिखाती है कि कैसे पृथ्वीराज चौहान ने खुद को एक शक्तिशाली योद्धा और सम्राट में बदला। शो में उन महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया गया है जो पृथ्वीराज को इतिहास में अमर बनाते हैं, जैसे युद्ध, राजनीतिक निर्णय और बलिदान। यह सिर्फ एक राजा की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस यात्रा की गाथा है जिसमें एक युवा बालक संघर्षों, वीरता और निर्णयों के जरिए एक ऐसा सम्राट बनता है, जिसकी विरासत आज भी भारतीय इतिहास में चमकती है। यह सीरीज प्रेग्ना, शौर्य और नेतृत्व की जीवंत झलक है। इस शो में अनुजा साठे, रोहित रॉय, रूमी खान और पद्मिनी कोल्हापुरी अहम किरदार में हैं। दिग्गज एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद टीवी पर शानदार वापसी कर रही हैं। वह राजमाता की शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगी। टीवी पर वापसी को लेकर पद्मिनी कोल्हापुरी ने पहले कहा था, ‘चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं शक्तिशाली भूमिका निभा रही हूँ, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 सालों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी का प्रतीक है। टीवी पर मेरी यात्रा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुई, और अब इतने सालों के बाद, मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूँ, जो चुनौतीपूर्ण और सतोषजनक दोनों हैं।’ यह शो 4 जून को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रीमियर के लिए तैयार है।



मुंबई छोड़कर बीकानेर में शिफ्ट हुई चारु असोपा

हाल ही में एक्ट्रेस चारु असोपा ने अपनी नाखुश शादी को खत्म कर, सिंगल मदर के तौर पर अपनी बेटी जियाना के साथ नई जिंगी की शुरुआत की। वह मुंबई छोड़कर राजस्थान के बीकानेर में शिफ्ट हो गईं, जिससे सभी हैरान रह गए। वहीं, राजीव सेन ने अपनी नई तस्वीरों से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। राजीव की तस्वीरों में वह एक खूबसूरत हसीना के साथ नजर आ रहे हैं, और उनकी कैमिस्ट्री को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होते ही अफवाहें फैलने लगीं कि राजीव का नई लड़की के साथ अफेयर चल रहा है। हालांकि, इन तस्वीरों का राजीव की पर्सनल लाइफ से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, ये तस्वीरें उनके किसी प्रोफेशनल प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं, जिसमें उन्होंने प्रोजेक्ट से संबंधित लोगों को टैग किया है। बीते दिनों राजीव ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने अपनी एक्स-वाइफ चारु असोपा को अपने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए पकड़ा था। राजीव ने बताया कि वे दुबई में छुट्टियां मना रहे थे, जब उन्होंने चारु को अपने दोस्त से बात करते हुए देखा। इसके बाद चारु ने राजीव को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू कर दिया, और जब राजीव ने इस बारे में पूछा, तो चारु चुप हो गईं। इस पर चारु ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर राजीव ने उन्हें अपने दोस्त से बात करते हुए देखा होता, तो वह जान पाते कि वे किस बारे में बात कर रहे थे। चारु ने यह भी कहा कि राजीव को अपने दोस्त का नाम बताना चाहिए, और सिर्फ झूठे आरोप नहीं लगाने चाहिए। बता दें कि सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन और एक्ट्रेस चारु असोपा की मिजी जिंदगी में हमेशा कुछ न कुछ हंगामा बना रहता है। राजीव और चारु का रिश्ता हमेशा उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। तलाक के बाद, दोनों अपनी बेटी जियाना के लिए फिर से साथ आए थे, और लोग यह सोचने लगे थे कि शायद वे फिर से एक साथ हो जाएंगे।

फिल्म जेलर 2 रजकांत और राम्या निभाएगी भूमिका



अपकमिंग फिल्म जेलर 2 इन दिनों खूब चर्चा बटोर रही है। जेलर 2 में जहां राजनी और राम्या कृष्णन अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, वहीं सीकल में शिव राजकुमार और मोहनलाल सहित विभिन्न क्षेत्रीय उद्योगों के सुपरस्टार कैमियो करेंगे। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि डाकू महाराज फेम नंदमुरी बालकृष्ण कैमियो के रूप में सबसे नए जोड़े जा रहे हैं। रिपोटर्स बताती हैं कि बालकृष्ण एक पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे, कथित तौर पर उन्हें बहुत बड़ी रकम दी जा रही है। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक बालकृष्ण जेलर 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म के निर्माता, सन पिक्चर्स ने उन्हें एक छोटे शेड्यूल के लिए मोटी रकम देने पर सहमत जताई है। एक सूत्र ने बताया कि नंदमुरी बालकृष्ण ने जेलर 2 के लिए 20 दिन का शेड्यूल तय किया है। रिपोट के अनुसार, फिल्म की यूनिट के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि बालकृष्ण कैमियो के लिए आ रहे हैं। कथित तौर पर, उनकी भूमिका एक शक्तिशाली होगी। हालांकि, बालकृष्ण की भूमिका कैमियो से ज्यादा एक गेस्ट के तौर पर होगी, सूत्र ने ये भी दावा किया है कि फिल्म में प्रशंसकों को उनका किरदार पसंद आएगा। वहीं अगर रिपोटर्स की मानें तो बालकृष्ण कैमियो रोल के लिए सबसे ज्यादा पैसे लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। गौरतलब है कि कई प्रसिद्ध अभिनेता हैं जिन्होंने फिल्मों में कैमियो के लिए एक पैसा भी नहीं लिया। चाहे पहले में अमिताभ बच्चन हों, रॉकेट्री में शाहरुख खान, पठान में सलमान खान या किसी का भाई किसी की जान में रामचरम, इन अभिनेताओं ने बिना एक भी पैसा लिए कैमियो किया। हालांकि, सभी अभिनेता मुफ्त में कैमियो नहीं करते हैं। कथित तौर पर, अजय देवगन ने एसएस राजामौली की शानदार फिल्म आरआरआर में अपनी भूमिका के लिए 35 करोड़ रुपये लिए थे। इसके साथ ही, वो कैमियो भूमिका के लिए सबसे अधिक भुगतान पाने वाले अभिनेता बने हुए हैं। वहीं आलिया भट्ट ने भी 15 मिनट के लिए राजामौली की फिल्म से 9 करोड़ लिए थे। दूसरी ओर, हुमा कुरैशी ने संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काटियावाड़ी में अपनी भूमिका के लिए 2 करोड़ रुपये लिए थे। दिलचस्प बात यह है कि उर्वशी रौतेला ने मेगास्टार चिरंजीवी की वाटेयार वीरैया में अपने कैमियो के लिए 3 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली थी।

